

एक्यूरेट कन्सेप्शन

ACCURATE CONCEPTION

WWW.ACCURATECONCEPTION.COM

BILINGUAL WEEKLY NEWS PAPER



VOL-3, ISSUE- 47

06th - 12th April 2020

PAGES-8, RS. 2

बढ़ाई जा सकती है देश में लॉकडाउन की अवधि, ऑल पार्टी मीटिंग में बोले पीएम



किया जाए. प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये देश के विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग की. इसमें देश में कोरोना वायरस के बढ़ते केसों के मद्देनजर इस महामारी से बचाव के उपायों और लॉकडाउन (स्पाइसश्रुत) के मुद्दे पर चर्चा हुई. पीएम ने कहा कि वे राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर इस मसले पर अंतिम निर्णय लेंगे लेकिन यह यह संभावना नहीं है कि लॉकडाउन अभी जल्दी खत्म होगा. पीएम ने कहा कि कोविड-19 के बाद के बाद जिंदगी एक समान नहीं रहेगी. कोरोना के बाद भी सावधानी बरतने की जरूरत होगी. इसके तहत कई व्यवहारगत, सामाजिक और व्यक्तिगत बदलाव करने होंगे.

संबंधित :

- कोविड-19: ब्रिटेन के PM बोरिस जॉनसन ने लगातार दूसरी रात दृष्ट में बिताई
 - लॉकडाउन पर अगले फैसले के बीच नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये की विपक्षी नेताओं से बात..
 - डोनाल्ड ट्रंप बोले, अमेरिका ने क्लोरोक्वीन की ज्यादातर डोज भारत से खरीदी, पीएम नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की..
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जो नेता शामिल हुए, उसमें कांग्रेस के गुलाम नबी आजाद, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंधोपाध्याय, शिवसेना के संजय राउल, समाजवादी पार्टी के राममोपाल यादव, बीएसपी नेता

सतीश चंद्र मिश्रा, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान, एनसीपी नेता शरद पवार और डीएमके नेता टीआर बालू शामिल थे, इसमें लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए का हिस्सा है देश में कोरोना से बचाव के लिए इस समय 14 अप्रैल तक का लॉकडाउन जारी है. ऐसे समय जब देश में कोरोना के केसों की संख्या में इजाफा हुआ है, लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने पर विचार हो रहा है. यूपी, तेलंगाना जैसे कुछ राज्यों में भी लॉकडाउन को बढ़ाने का अनुरोध किया है.

पिछले सप्ताह पीएम ने कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सहित कुछ अन्य नेताओं से चर्चा की थी और देश में कोरोना वायरस के प्रकोप को करने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में सुझाव मांगे थे. उन्होंने पूर्व राष्ट्रीपति प्रतिभा पाटील, प्रणव मुखर्ज और पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह और एचडी देवेगोड़ा के साथ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये चर्चा की थी. कोरोना वायरस की महामारी के कारण देश में अब तक 149 लोगों की मौत हुई है, इसमें से 35 मौतें पिछले 24 घंटों में हुई हैं. एक दिन में कोरोना वायरस के चलते देश में हुई मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है. देश में 21 दिनों का लॉकडाउन 14 अप्रैल को खत्म होगा. पीएम की शनिवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ होने वाली दूसरी बैठक में लॉकडाउन पर अंतिम फैसला लिया जाएगा.

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये देश के विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग की. इसमें देश में कोरोना वायरस के बढ़ते केसों के मद्देनजर इस महामारी से बचाव के उपायों और लॉकडाउन (Lockdown) के मुद्दे पर चर्चा हुई. पीएम ने कहा कि वे राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर इस मसले पर अंतिम निर्णय लेंगे लेकिन यह यह संभावना नहीं है कि लॉकडाउन अभी जल्दी खत्म होगा.

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Prime Minister Narendra Modi) ने बुधवार को कहा कि देश की कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह संभव नहीं होगा कि लॉकडाउन 14 अप्रैल को खत्म

5 लाख तक के IT रिफंड तुरंत खाते में जाएंगे, टैक्स देने वाले लगभग 14 लाख लोगों को होगा फायदा...

नई दिल्ली। कोविड-19 संक्रमण के हालात को देखते हुए सरकार ने छोटे आयकरदाता व्यक्तियों और व्यापारिक संस्थानों को तुरंत राहत देने का फैसला लिया है. सरकार ने निर्णय लिया है कि पांच लाख रुपये तक के लंबित इनकम टैक्स रिफंड का तुरंत भुगतान किया जाएगा. सरकार के इस फैसले से करीब 14 लाख करदाताओं को फायदा होगा. केंद्र सरकार ने सभी लंबित जीएसटी और कस्टम रिफंड जारी करने का भी निर्णय लिया गया है. इससे MSME सहित लगभग एक लाख व्यापारिक संस्थाओं को लाभ मिलेगा. इस प्रकार सरकार की ओर से कुल धनराशि लगभग 18,000 करोड़ रुपये का रिफंड दिया जाएगा.

आज रात 12 बजे से नोएडा, गाजियाबाद समेत UP 15 जिलों के सर्वाधिक प्रभावित हिस्से होंगे सील

इनमें नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, लखनऊ, आगरा, शामली और सहारनपुर जिले भी शामिल हैं. इनमें वो 15 जिले शामिल हैं, जो कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं. लखनऊ। कोरोनावायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच यूपी सरकार ने 15 जिलों के सर्वाधिक प्रभावित हिस्सों को सील कर दिया है. राज्य के मुख्य सचिव ने इसकी पुष्टि की है. इनमें नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, लखनऊ, आगरा, शामली और सहारनपुर जिले शामिल हैं. इनमें वो 15 जिले शामिल हैं, जो कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं. इन जिलों केवल उन जगहों को सील किया जाएगा, जहां कोरोना के मरीज मिले हैं. इन जिलों में केवल पुलिस, स्वास्थ्य और बहुत ही जरूरी सेवाएं काम करेंगी. जिन जिलों के हॉटस्पॉट को सील किया गया है, उनमें लखनऊ, आगरा, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, कानपुर, वाराणसी, शामली, मेरठ, बरेली, बुलंदशहर, फिरोजाबाद, महाराजगंज, सीतापुर, सहारनपुर और बस्ती शामिल हैं. इन जिलों के सर्वाधिक प्रभावित इलाके 15 अप्रैल तक सील रहेंगे.

संबंधित

- SBI PO Recruitment: जानिए एसबीआई पीओ रिक्स्टमेंट के बारे में ये जरूरी बातें

- भारत पर पड़े लॉकडाउन के असर को लेकर बॉलीवुड डायरेक्टर ने किया ट्वीट, बोले- इसमें कोई शक नहीं कि...
 - लॉकडाउन पर अगले फैसले के बीच पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये की विपक्षी नेताओं से बात..
- उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि राज्य में संक्रमितों की संख्या 343 है, इनमें 187 निजामुद्दीन मरकज से जुड़े मामले हैं. वहीं, 26 लोगों को इलाज से बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि जिन इलाकों को हॉटस्पॉट चुना गया है वहां बैंक, एटीएम भी बंद रहेंगे. उन्होंने बताया कि वहां मीडियाकर्मियों को जाने की भी इजाजत नहीं होगी और कर्फ्यू जैसे हालात होंगे. इसके साथ-साथ जिन 15 जिलों को सील किया गया है वहां किसी को भी बाहर निकलने के लिए चेहरे को पूरी तरह ढकना होगा, चाहे वह मास्क या गमछा किसी भी तरह से ढके. इसके अलावा यह भी बताया गया कि इन हॉटस्पॉट्स में लोगों को एक इलाके से दूसरे इलाके में जाने की अनुमति नहीं होगी.
- बता दें, कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच पूरे देश में 14 अप्रैल तक लॉकडाउन लगा हुआ है.

बुधवार को कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 5,194 हो गई और इस संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा 149 पर पहुंच गया. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 के ऐसे मामले जिनमें इलाज चल रहा है उनकी संख्या 4,643 है, 401 लोग इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं और उन्हें छुट्टी दे दी गई है. एक मामले में मरीज दूसरे देश में चला गया. कुल मामलों में से 70 विदेशी नागरिक हैं.

सुबह नौ बजे तक आए मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार से 25 लोगों की मौत हुई. इनमें से 16 लोगों की मौत महाराष्ट्र में तथा दिल्ली, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और तमिलनाडु में दो-दो व्यक्ति की मौत और आंध्र प्रदेश में एक व्यक्ति की मौत हुई. कोरोना वायरस से सर्वाधिक 64 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई. गुजरात और मध्य प्रदेश में 13-13 लोगों की मौत और दिल्ली में नौ लोगों की मौत हुई. तेलंगाना, पंजाब और तमिलनाडु में सात-सात लोगों की मौत हुई. पश्चिम बंगाल में पांच लोगों की, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चार-चार लोगों की मौत, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में तीन-तीन लोगों की मौत हुई है. जम्मू-कश्मीर और केरल में दो-दो लोगों की मौत हुई. बिहार, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

EDITORIAL

Thought of the Week : "Anger and jealousy can no more bear to lose sight of their objects than love."

This Ambedkar Jayanti, people will have to celebrate the festival by staying in their houses and maintain social distancing. All of us have to restrict physical contact and avoid social congregations and celebrate the festival in the comfort of our homes with our loved ones.

To curb the spread of novel coronavirus, the government has asked people to stay indoors. Several states and union territories have imposed a curfew to ensure that people do not step out of their houses.

Ambedkar Jayanti is celebrated by the people of India very happily to remember his immense contributions for the poor people of India. Dr. Bhimrao Ambedkar is the father of Indian Constitution who had drafted the Constitution of India.

प्रधानमंत्री ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री ने एक टीवी संदेश में कहा 'मैं उन शहीदों को नमन करता हूँ, जिनकी आज के दिन जलियांवाला बाग में नृशंस हत्या की गई थी। हम उनके साहस और बलिदान को कभी नहीं भूलेंगे। उनकी वीरता आने वाले कई वर्षों तक भारतीयों को प्रेरित करती रहेगी।

राष्ट्रपति ने डॉ. बी. आर. आम्बेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दीं

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने डॉ. बी. आर. आम्बेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। एक संदेश में राष्ट्रपति ने कहा, 'भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव रामजी आम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर मैं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। डॉ. आम्बेडकर ने एक समाज सुधारक, शिक्षाविद, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनेता और न्यायविद के रूप में देश और समाज की भलाई के लिए अनवरत संघर्ष किया। डॉ. आम्बेडकर ने एक ऐसे समाज की परिकल्पना की थी, जिसमें सामाजिक समरसता और समानता का वातावरण हो। अपने इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन, समाज एवं राष्ट्र को समर्पित कर दिया। डॉ. आम्बेडकर ने भारत के लिए एक ऐसे प्रगतिशील और सर्व-समावेशी संविधान की रचना की, जो पिछले अनेक दशकों से, लोकतंत्र में देशवासियों की आस्था को बढ़ाता और मजबूत करता आया है। इस अवसर पर हम सब, डॉ. आम्बेडकर के महान व्यक्तित्व, संघर्ष और जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए।

कोविड-19 संक्रमण के खिलाफ राष्ट्र के संघर्ष में लॉकडाउन को लेकर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संदेश

मेरे प्यारे देशवासियों,

कोरोना वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई, बहुत मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। आपकी तपस्या, आपके त्याग की वजह से भारत अब तक, कोरोना से होने वाले नुकसान को काफी हद तक टालने में सफल रहा है। आप लोगों ने कष्ट सहकर भी अपने देश को बचाया है, अपने भारत को बचाया है।

मैं जानता हूँ, आपको कितनी दिक्कत आई हैं। किसी को खाने की परेशानी, किसी को आने-जाने की परेशानी, कोई घर-परिवार से दूर है। लेकिन आप देश की खातिर, एक अनुशासित सिपाही की तरह अपने कर्तव्य निभा रहे हैं। और आप सबको आदर पूर्वक नमन करता हूँ। हमारे संविधान में जिस "We the People of India" की शक्ति की बात कही गई है, वो यही तो है।

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर की जन्म जयंती पर, हम भारत के लोगों की तरफ से अपनी सामूहिक शक्ति का ये प्रदर्शन, ये संकल्प, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। बाबा साहेब का जीवन हमें, हर चुनौती को अपनी संकल्पशक्ति और परिश्रम के बलबूते पर, पार करने की प्रेरणा देता है। मैं सभी देशवासियों की तरफ से बाबा साहेब को नमन करता हूँ।

साथियों, ये देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग त्योहारों का भी समय है। और वैसे ही भारत तो उत्सवों से भरा रहता है। और वैसे ही भारत तो उत्सवों से हरा रहता है। उत्सवों के बीच खिलखिलाता रहता है। बैसाखी, पोहेला बैशाक, पुथान्दु, बोहाग बिहु, विशु के साथ अनेक राज्यों में नए वर्ष की शुरुआत हुई है। लॉकडाउन के इस समय में देश के लोग जिस तरह नियमों का पालन कर रहे हैं, जितने संयम से अपने घरों में रहकर त्योहार मना रहे हैं, वो बहुत ही प्रेरक है, बहुत प्रशंसनीय है।

मैं नए वर्ष पर आपके, आपके परिवारजन के उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना करता हूँ।

साथियों, आज पूरे विश्व में कोरोना वैश्विक महामारी की जो स्थिति है, आप उसे हम सब भली-भांति परिचित हैं। अन्य देशों के मुकाबले, भारत ने कैसे अपने यहां संक्रमण को रोकने के प्रयास किए, आप इसके सहभागी भी रहे हैं और साक्षी भी।

जब हमारे यहां कोरोना का एक भी केस नहीं था, उससे पहले ही भारत ने कोरोना प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी थी।

कोरोना के मरीज सौ तक पहुंचे, उससे पहले ही भारत ने विदेश से आए हर यात्री के लिए 14 दिन का आइसोलेशन अनिवार्य कर दिया था, अनेक जगहों पर मॉल, क्लब, जिम बंद किए जा चुके थे।

साथियों, जब हमारे यहां कोरोना के सिर्फ 550 केस थे, तभी भारत ने 21 दिन के संपूर्ण लॉकडाउन का एक बड़ा कदम उठा लिया था। भारत ने, समस्या बढ़ने का इंतजार नहीं किया, बल्कि जैसे ही समस्या दिखी, उसे, तेजी से फैसले लेकर उसी समय रोकने का प्रयास किया। साथियों, वैसे ये एक ऐसा संकट है जिसमें किसी देश के साथ तुलना करना सही नहीं। लेकिन ये भी एक सच्चाई है कि अगर दुनिया के बड़े-बड़े सामर्थ्यवान देशों में कोरोना से जुड़े आंकड़े देखें तो आज भारत बहुत संभली हुई स्थिति में है।

महीना-डेढ़ महीना पहले कई देश कोरोना संक्रमण के मामले में एक प्रकार से भारत के बराबर खड़े थे। आज उन देशों में भारत की तुलना में कोरोना के cases, 25 से 30 गुना ज्यादा हैं। उन देशों में हजारों लोगों की दुखद मृत्यु हो चुकी है।

भारत ने holistic approach न अपनाई होती, integrated approach न अपनाई होती, समय पर तेज फैसले न लिए होते तो आज भारत की स्थिति क्या होती इसकी कल्पना करते ही रोमटे खड़े हो जाते हैं। लेकिन बीते दिनों के अनुभवों से ये साफ है कि हमने जो रास्ता चुना है, आज की स्थिति में, वो ही सही है।

Social Distancing और Lockdown का बहुत बड़ा लाभ देश को मिला है। अगर सिर्फ आर्थिक दृष्टि से देखें तो ये मंहगा जरूर लगता है, बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है, लेकिन भारतवासियों की जिंदगी के आगे, इसकी कोई तुलना नहीं हो सकती। सीमित संसाधनों के बीच, भारत जिस मार्ग पर चला है, उस मार्ग की चर्चा आज दुनिया भर में होना बहुत स्वाभाविक है। देश की राज्य सरकारों ने भी, स्थानीय स्वराज्य संस्थानों के इकाइयों ने भी, इसमें बहुत जिम्मेदारी के साथ काम किया है, चौबीसों घंटे हर किसी ने अपना जिम्मा संभालने के प्रयास किया है, और हालात को संभाला है। लेकिन साथियों, इन सब प्रयासों के बीच, कोरोना जिस तरह फैल रहा है, उसने विश्व भर में हेल्थ एक्सपर्ट्स को और सरकारों को और ज्यादा सतर्क कर दिया है। भारत में भी कोरोना के खिलाफ लड़ाई अब आगे के स बड़े, हम विजय कैसे हो, हमारे यहां नुकसान कमसे कम कैसे हो, लोगों की दिक्कत कम कैसे करें इन बातोंको लेकर राज्यों के साथ निरंतर चर्चों की है। और इन सभी चर्चाओं से एक बात उभर कर आती है, हर किसी का एकी सुझाव

केंद्रीय गृह मंत्री ने कोरोना महामारी पर 20 अप्रैल से दी जाने वाली छूट के सम्बन्ध में राज्यों से महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर स्थिति को नियंत्रण में रखने के निर्देश दिए

केंद्रीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह, ने कोरोना महामारी पर गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ कल समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि 20 अप्रैल से दी जाने वाली छूट के सम्बन्ध में राज्यों से महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर स्थिति को नियंत्रण में रखने के निर्देश दिए।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अभी भी कोरोना के साथ लड़ाई लड़ रहा है, इसलिए लॉकडाउन प्रतिबंधों के साथ समय-समय पर दिए गए दिशा-निर्देशों का निष्ठापूर्वक पालन किया जाना चाहिए।

समीक्षा के दौरान गृह मंत्री के निर्देशानुसार ऐसे क्षेत्र जो हॉट-स्पॉट / क्लस्टर / कंटेनमेंट जोन में नहीं आते और जिनमें कुछ गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है, वहां सावधानी बरतना और यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि छूट केवल वास्तविक परिस्थितियों का यथोचित आंकलन करके दी जाए।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ आर्थिक गतिविधियों की अनुमति दी गई है। तदनुसार, जिलाधिकारियों को उद्योग-समूहों के सहयोग से, राज्य के भीतर ही

मजदूरों को उनके कार्यस्थल पर स्थानांतरित करने की व्यवस्था करनी चाहिए। मोदी सरकार का यह मानना है कि इससे न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी अपितु मजदूरों को रोजगार के अवसर भी मिलने लगेंगे।

इसी प्रकार, बड़ी औद्योगिक इकाइयों और औद्योगिक परिसरों के संचालन पर राज्यों द्वारा विशेष ध्यान दिया जाए। विशेषकर ऐसी इकाइयों के संचालन पर ध्यान दें, जहां मजदूरों को परिसर में ही रखने की व्यवस्था हो। इससे आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी और मजदूरों को रोजगार प्रदान करने में मदद मिलेगी। इस विषय पर स्थिति में मोदी सरकार देश के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। उद्योगों के साथ कृषि तथा मनरेगा गतिविधियों के माध्यम से भी मजदूरों को रोजगार देने की संभावनाओं पर कार्य करना होगा, गृह मंत्री ने कहा।

इसी प्रकार वे मजदूर, जो राहत शिविरों में रह रहे हैं, उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं, जैसे भोजन की गुणवत्ता आदि पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। यद्यपि स्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन इस प्रकार के मुद्दों को संबोधित किया जा सकता है।

आता है, सभी का यही सुझाव है कि लॉकडाउन को बढ़ाया जाए। कई राज्य तो पहले से ही लॉकडाउन को बढ़ाने का फैसला कर चुके हैं। साथियों, सारे सुझावों को ध्यान में रखते हुए ये तय किया गया है कि भारत में लॉकडाउन को अब 3 मई तक और बढ़ाना पड़ेगा। यानि 3 मई तक हम सभी को, हर देशवासी को लॉकडाउन में ही रहना होगा। इस दौरान हमें अनुशासन का उसी तरह पालन करना है, जैसे हम करते आ रहे हैं।

मेरी सभी देशवासियों से ये प्रार्थना है कि अब कोरोना को हमें किसी भी कीमत पर नए क्षेत्रों में फैलने नहीं देना है।

स्थानीय स्तर पर अब एक भी मरीज बढ़ता है तो ये हमारे लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं पर भी कोरोना से एक भी मरीज की दुखद मृत्यु होती है, तो हमारी चिंता और बढ़नी चाहिए। और इसलिए हमें Hotspots को चिह्नित करके पहले से भी ज्यादा, बहुत ज्यादा सतर्कता बरतनी होगी। जिन स्थानों के Hotspot में बदलने की आशंका है, उस पर भी हमें कड़ी नजर रखनी होगी, कठोर कदम उठाने होंगे। नए Hotspots का बनना, हमारे परिश्रम और हमारी तपस्या को और चुनौती देगा, नए संकट पैदा करेगा। इसलिए, अगले एक सप्ताह में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में कठोरता और ज्यादा बढ़ाई जाएगी। 20 अप्रैल तक हर कस्बे, हर थाने, हर जिले, हर राज्य को परखा जाएगा, वहां लॉकडाउन का कितना पालन हो रहा है, उस क्षेत्र ने कोरोना से खुद को कितना बचाया है, इसका मूल्यांकन लगातार किया जाएगा। जो क्षेत्र इस अग्निपरीक्षा में सफल होंगे, जो Hotspot में नहीं होंगे, और जिनके Hotspot में बदलने की आशंका भी कम होगी, वहां पर 20 अप्रैल से कुछ जरूरी गतिविधियों की अनुमति दी जा सकती है।

लेकिन याद रखिए, ये अनुमति सशर्त होगी, बाहर निकलने के नियम बहुत सख्त होंगे। लॉकडाउन के नियम अगर टूटते हैं, कोरोना का पैर हमारे इलाके में प?ता है, तो सारी अनुमति तुरंत वापस ले ली जाएगी। इसलिए, न खुद कोई लापरवाही करनी है और न ही किसी और को लापरवाही करने देना है। कल इस बारे में सरकार की तरफ से एक विस्तृत गाइडलाइन जारी की जाएगी।

साथियों, 20 अप्रैल से, चिह्नित क्षेत्रों में इस सीमित छूट का प्रावधान, हमारे गरीब भाई-बहनों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जो रोज कमाते हैं, रोज की कमाई से अपनी जरूरतें पूरी करते हैं, वो ही मेरा बृहद परिवार हैं। मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक, इनके जीवन में आई मुश्किल को कम करना है।

Awareness

AMBEDKAR JAYANTI

Ambedkar Jayanti is celebrated by the people of India very happily to remember his immense contributions for the poor people of India. Dr. Bhimrao Ambedkar is the father of Indian Constitution who had drafted the Constitution of India. He was the great human rights activists who born on 14th of April in 1891. He had established the "Bahishkrit Hitkarini Sabha" in the year 1923 in India aiming to spread the necessity of education as well as enhancing the economic status of the low group people of India. He run a social movement for people using slogan "Educate-Agitate-Organize" aiming to eradicate the casteism in India as well as rebuilding the Indian Society by following the rule of equality of human beings.

A march was also led by him in the year 1927 at Mahad, Maharashtra for establishing the equal rights for untouchable people who were not allowed to even touch or taste the water of "Public Chawdar Lake". He has been marked in the Indian history for starting the social movements like anti-caste, anti-priest movement and temple entry movement. He led the temple entry movement in the year 1930 at Kalaram Temple, Nashik, Maharashtra for real human rights and political justice. He said that political power is not the only way to solve all the problems of depressed class people, they should get equal rights in the society in every field. He was deeply involved in making legal changes in order to protect the low class people rights during his Membership of Viceroy's Executive Council in 1942.

He paid his major contribution by protecting the Fundamental Rights (for the social freedom, equality and eradication of untouchability for low group people) and Directive Principles (enhancing the living status by securing the fair distribution of wealth) of State Policy in the Indian Constitution. He continued his social revolution till the end of his life through the Buddhism. He has been honored with the Bharat Ratna in the month of April in 1990 for his big contributions towards the Indian society.

HOW AMBEDKAR JAYANTI IS CELEBRATED

Ambedkar Jayanti is celebrated with great passion all



over the India including Varanasi, Delhi and other big cities. In Varanasi the event for the birthday anniversary celebration of Dr. Ambedkar is organized by the Dr. Ambedkar Jayanti Samaroh Samiti in Kutchehri areas. They organize variety of events like painting, general knowledge quiz competition, debate, dance, essay writing, symposium, sports competition and drama to which many people participate including students from nearby schools. In order to celebrate this occasion, a big seminar is organized yearly by the Bhartiya Journalists Welfare Association, Lucknow.

Three days long festival (from 15th of April to 17th of April) is held at the Baba Mahashamshan Nath temple at Manikarnika ghat Varanasi where various cultural programs of dance and music are organized. Students from junior high school and primary schools make a prabhat pheri in morning and secondary school students take part in the rally at this day. At many places, free health check up camps are also organized in order to provide free of charge check up and medicines to the poor group people.

CONTRIBUTIONS OF B. R. AMBEDKAR

> He worked to eliminate the social belief of untouchability for the lower group of people. He protested to uplift the untouchables in the society to enhance their social status during law practice in the Bombay High Court. He had organized an event called Bahishkrit Hitakarini Sabha to encourage the education among untouchables for their

socio-economic improvement and welfare of the outcastes people of depressed classes. He also protected the Dalit rights by organizing various programs like "Mook Nayak, Bahishkrit Bharat and Equality Janta".

> He had started an active public movements and marches in 1927 against untouchability to remove the untouchability for water resources as well as enter to the Hindu temples (Kalaram Temple movement in 1930). He has demanded for the separate electorate through the Poona Pact to reserve seats for untouchable people of depressed class.

> He was invited by the Congress government to serve as a first Law Minister after the independence of India on 15th of August in 1947 and appointed as a "Chairman of the Constitution Drafting Committee" on 29th of August in 1947 where he drafted the new Constitution of India which was adopted by the Constituent Assembly on 26th of November in 1949.

> He had played his great role in establishing the Reserve Bank of India as he was a professional economist. He became successful in forming the Reserve Bank of India in 1934 after giving his ideas to the Hilton Young Commission through his three successful scholarly books on economics such as "Administration and Finance of the East India Company, The Evolution of Provincial Finance in British India, and The Problem of the Rupee: Its Origin and Its Solution".

> He also played his role in planning the Indian economic as he got his Economics doctorate degree from abroad. He encouraged people for the growth and development of the industrialization and agricultural industry to enhance the economy of country. He had given ideas to the government for accomplishing the food security goal. He encouraged people for good education, hygiene and community health as their basic requirement. He had established the Finance Commission of India.

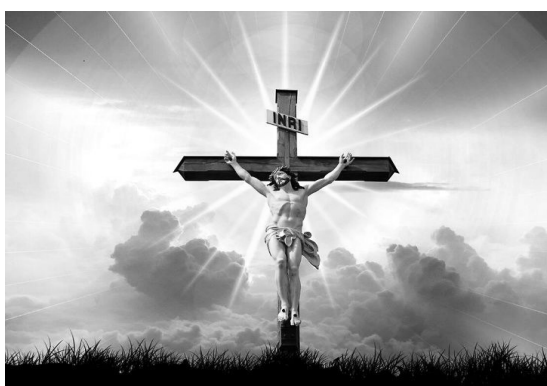
> He had opposed the Article 370 in the Constitution of India in order to provide the special status to the people of Jammu and Kashmir, India.

Good Friday

Good Friday, the Friday before Easter, the day on which Christians annually observe the commemoration of the Crucifixion of Jesus Christ. From the early days of Christianity, Good Friday was observed as a day of sorrow, penance, and fasting, a characteristic that finds expression in the German word Karfreitag ("Sorrowful Friday").

Paolo Veneziano: The Crucifixion The Crucifixion, tempera on wood by Paolo Veneziano, c. 1340/45; in the National Gallery of Art, Washington, D.C. 31 cm x 38 cm. Courtesy National Gallery of Art, Washington, D.C., Samuel H. Kress Collection, 1939.1.143

Following the Synoptic Gospels (Matthew, Mark, and Luke), the mainstream of Christian tradition has held that Jesus' last meal with his disciples on the evening before his Crucifixion was a Passover seder. That would place the date on which Jesus died on 15 Nisan of the Jewish calendar, or on the first day (starting at sundown) of Passover. According to the Gregorian (Western) calendar, that date would be April 7. (The Gospel According to John, in contrast, holds that Passover had not yet begun when Jesus' final meal was held, which would place the date of Jesus' death on 14 Nisan.) Christians, however, do not commemorate that fixed date. Instead, they follow the apparently flexible date of the Passover—which conforms to the Jewish lunisolar calendar rather than the Gregorian solar calendar—by relating the Last Supper to the seder. Although that assumption is problematic, the dating of both Good Friday and Easter has proceeded on that basis. Thus, Good Friday falls between March 20,



the first possible date for Passover, and April 23, with Easter falling two days later. (See also Paschal Controversies.)

The question of whether and when to observe Jesus' death and Resurrection triggered a major controversy in early Christianity. Until the 4th century, Jesus' Last Supper, his death, and his Resurrection were observed in one single commemoration on the evening before Easter. Since then, those three events have been observed separately—Easter, as the commemoration of Jesus' Resurrection, being considered the pivotal event.

The liturgical celebration of Good Friday has undergone various changes over the centuries. In the Roman Catholic Church the mass is not celebrated on Good Friday, though a liturgy is performed. Beginning in the Middle Ages, only the officiating

priest took Holy Communion, which was consecrated in the Maundy Thursday mass; laypeople have also communed on Good Friday since 1955. The liturgy of Good Friday consists of the reading of the Gospel Passion narrative, the adoration of the cross, and Communion. In the 17th century, following an earthquake in Peru, the Three Hour Service, a prayerful meditation on Jesus' "Seven Last Words on the Cross," was introduced to the Catholic liturgy by the Jesuits. It takes place between noon and 3 PM. Similar services occur in the Eastern Orthodox tradition, where no Communion is celebrated on Good Friday.

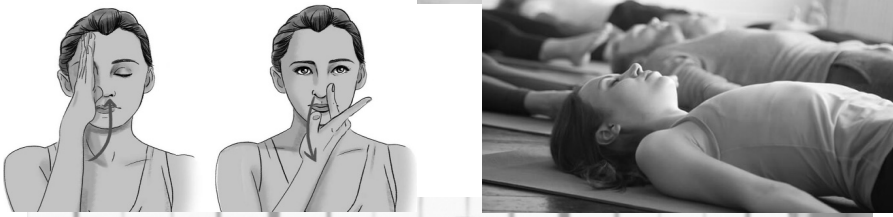
Get exclusive access to content from our 1768 First Edition with your subscription. Subscribe today

In the Anglican Communion, The Book of Common Prayer similarly provides for a Good Friday reception of the "reserved sacrament," the consumption of bread and wine that was consecrated the previous day. The Three Hour Service has become common in North American churches, and a variety of liturgical services are held on Good Friday in other Protestant churches. With the revival of a liturgical emphasis in Protestantism in the second half of the 20th century, a distinct trend of adopting Catholic ritual (no use of the organ in the service, draping of the cross, barring of the altar, etc.) developed.

Unlike Christmas and Easter, which have acquired numerous secular traditions, Good Friday has, because of its intense religious connotation, not led to an overlay of secular customs and practices.

FITNESS

Yoga



Food

Banana Cake

This recipe for Mom's Banana Cake is full of flavor and is so comforting. The cake is super moist, and the frosting is so creamy. It's sure to be a family favorite!

Ingredients

- 4 large Bananas mashed
- 3 Eggs
- 2 cups of Sugar
- 1 and 1/2 teaspoons of Vanilla
- 2 cups of Flour
- 1 teaspoon of Baking Soda
- 1/4 of a teaspoon of Salt
- 1/4 a teaspoon of Cinnamon
- Generous amount of Nut Meg
- 1 and 1/2 cups of Buttermilk
- 1 1/2 sticks of Unsalted Butter softened
- 3 teaspoons of Lemon Juice

- 1/2 of a cup of Brown Sugar
- 4 tablespoons of Vegetable Oil

Frosting:

- 1 package of Cream Cheese softened
- 1 stick of Unsalted Butter softened
- 1/2 of a cup of Caramel
- 4 cups of Powdered Sugar
- 1 teaspoon of Vanilla

Instructions

1. Preheat the oven to 350°.
2. Grease a square baking pan. I used glass.
3. In a large mixing bowl, add bananas, eggs, sugar, and vanilla. Mix until smooth.
4. Add in remaining cake ingredients.
5. Blend on high until smooth.
6. Pour batter into greased pan. This is a lot of batter, if you have a smaller pan, you may want to divide into two pans.
7. Bake for 30 to 40 minutes, or until toothpick comes out clean.
8. If center is not done after 30 minutes, reduce heat to 300, move to top rack, and bake in 10 minute intervals until finished.
9. Let cool completely.
10. Place all frosting ingredients into a large mixing bowl.
11. Blend on high until smooth.
12. Frost cake.
13. Refrigerate, wrapped in plastic, over night.
14. Serve and enjoy!



Fashion

Summer Fashion



Business

HDFC Home Loan हुआ सस्ता, ब्याज दर पर 15 ps की कटौती

कोरोना वायरस और लॉकडाउन के मुश्किल समय में HDFC बैंक ने अपने ग्राहकों को राहत दी है। बैंक ने Home loan की ब्याज दरों में कटौती का ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक, HDFC ने ब्याज दरों में 0.15 प्रतिशत की कटौती की है। नई ब्याज दरें 22 अप्रैल से लागू होंगी। इससे होम लोन सस्ता होगा,



जिसका फायदा मौजूदा और नए ग्राहकों, दोनों को मिलेगा। HDFC की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि Loan की लागत में आ रही कमी को देखते हुए ब्याज दरों में कमी का फैसला किया गया है। वेतनभोगियों के लिए इस कटौती के बाद ब्याज दरें 7.85 फीसदी से लेकर 8.15 फीसदी के दायरे में रहेंगी।

इससे पहले चौथे सबसे बड़े निजी बैंक कोटक महिंद्रा (Kotak Mahindra Bank) ने अप्रैल

के महीने में दूसरी बार बचत जमा पर ब्याज दरें घटाई हैं। ब्याज दरों में यह कटौती सोमवार से लागू हो गई। इसके पहले Kotak Mahindra Bank ने पहली अप्रैल को डिपॉजिट पर ब्याज दरें घटाई थीं। कोटक महिंद्रा के प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट) पुनीत कपूर ने अपने खाता धारकों को ईमेल भेजकर यह जानकारी की। ईमेल में लिखा गया कि बचत खातों में 1 लाख रुपए से अधिक के जमा पर दैनिक शेष राशि पर ब्याज दर को घटाकर अब 4.5 फीसदी और 1 लाख रुपए तक की राशि होने पर 3.75 फीसदी किया गया है।

Kotak Mahindra Bank ने भले ही ब्याज दरें कम कर दी हो, लेकिन यह दर अभी भी देश के सबसे बड़े बैंक SBI के मुकाबले एक प्रतिशत अधिक है। बैंकिंग सिस्टम के एक चौथाई हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले स्टेट बैंक ने इस महीने की शुरुआत में ब्याज दरें घटाने का फैसला किया था और इसे 2.75 फीसदी के फ्लैट रेट पर सीमित कर दिया था। Kotak Mahindra Bank की ओर से बताया गया है कि इस कदम से साफ है कि देश में ब्याज दरों के गिरे का ट्रेंड शुरू हो गया है। इससे फंड की लागत का बेहतर ढंग से प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। इस फैसले के बाद निवेशकों की नजर Kotak Mahindra Bank के शेयर पर टिक गई है।

SPIRITUALITY

TRAIN YOUR MIND TO SEE THE GOOD IN EVERY SITUATION

Nature & Wild Life



कोरोना वायरस के चलते इस बार घर पर इस विधि से मनाएं हनुमान जयंती

हनुमान जी को भगवान शिव का 11वां रुद्र अवतार माना जाता है। हनुमान जी को संकटमोचन भी कहा जाता है। जानिए लॉकडाउन के समय में घर पर कैसे मनाएं हनुमान जयंती क्या है पूजा विधि, मंत्र और अन्य जानकारी...

पंचांग अनुसार हनुमान जयंती चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तिथि को होती है। इस दिन श्रीराम भक्त हनुमान का जन्म हुआ था। इस बार ये शुभ पर्व 08 अप्रैल को मनाया जायेगा। हनुमान जी को भगवान शिव का 11वां रुद्र अवतार माना जाता है। हनुमान जी को संकटमोचन भी कहा जाता है। जानिए लॉकडाउन के समय में घर पर कैसे मनाएं हनुमान जयंती क्या है पूजा विधि, मंत्र और अन्य जानकारी

हनुमान जयंती मुहूर्त :

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ : अप्रैल 07, 2020 को 12:01 पी एम बजे

पूर्णिमा तिथि समाप्त : अप्रैल 08, 2020 को 08:04 ए एम बजे

पूजा का मुहूर्त- सुबह 8 बजे तक

सर्वार्थसिद्धि योग- 05:46 ए एम से 06:07 ए एम

हनुमान जी की पूजा विधि: इस दिन व्रत रखने वाले लोग एक दिन पहले से ब्रह्मचर्य का पालन करें। संभव हो तो जमीन पर सोयें। प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर प्रभू श्री राम, माता सीता व श्री हनुमान का स्मरण करें। इसके बाद नित्य क्रिया से निवृत्त होकर स्नान कर संकट मोचन रामभक्त श्री हनुमान का जन्म हुआ।



हनुमान जी की पूजा आरंभ करें। इसके लिए हनुमान जी की मूर्ति को स्थापित करें। हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करें। फिर हनुमान जी की आरती उतारें। प्रसाद के रूप में गुड़, भोगे या धुने चने व बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। पूजन सामग्री में सिंदूर, केसर युक्त चंदन, धूप, अगरबत्ती, दीपक के लिए शुद्ध घी या चमेली के तेल का उपयोग करें। भगवान को गेंदा, गुलाब, कनेर, सूरजमुखी आदि पुष्प अर्पित करें। इस दिन हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाना काफी शुभ माना जाता है।

हनुमान जी की जन्म कथा: हनुमान जी भगवान शिव के 11वें रुद्र अवतार माने जाते हैं। उनके जन्म के बारे में पुराणों में जो उल्लेख मिलता है उसके अनुसार अमरत्व की प्राप्ति के लिये जब देवताओं व असुरों ने मिलकर समुद्र मंथन किया तो उससे निकले अमृत को असुरों ने छीन लिया और आपस में ही लड़ने लगे। तब भगवान विष्णु मोहिनी के भेष अवतरित हुए। मोहिनी रूप देख देवता व असुर तो क्या स्वयं भगवान शिवजी कामातुर हो गए। इस समय भगवान शिव ने जो वीर्य त्याग किया उसे पवनदेव ने वानरराज केसरी की पत्नी अंजना के गर्भ में प्रविष्ट कर दिया। जिसके फलस्वरूप माता अंजना के गर्भ से केसरी नंदन मारुती

Display Classified Weekly

BOOK NOW AT THIS No. 9479314311

सपेशल ऑफर

**BOOK FOR
5 WEEKS**

**5+7
Paid Free**

**Other
Categories Rate
@ 60/-**

Sizes

@ 60/-
Sq.Cm

@ 50/-
Sq.Cm

5x7

2x3

8x10

4x4

12x10

3x8

25x15

3x10

36x25

4x12

**GET
FREE
AD FOR
7
WEEKS
@ 50/-
Sq.Cm**

**Vijay Solanki
9977453217**

Magazine/ News Paper
Layout Design

✉ vsrajpoot19@gmail.com

📍 G-14, Goyal Niketan Zone-I, M.P. Nagar Bpl. ☎ 9425603717

Deson
Solutions & Design
Graphics & Design

Automobile/Technology

Reliance Jio और Airtel लाई ऐसा टूल, घर में जांचे कहीं आपको भी तो कोरोना संक्रमण का रिस्क नहीं

जहां एक तरफ पूरा देश घरों में बंद है वहीं लोगों के मन में इसके बावजूद COVID-19 संक्रमण का डर बैठ हुआ है। सर्दी खांसी या बुखार होने पर लोग डॉक्टर्स और अस्पताल जाकर जांच करने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में टेलीकॉम कंपनियों Reliance Jio और Airtel ने अपने ग्राहकों के लिए टूल पेश किया है। इसकी मदद से आप यह जान पाएंगे कि कहीं आप भी तो Coronavirus से संक्रमित होने के खतरे का सामना तो नहीं कर रहे। हालांकि, सरकार और डॉक्टर्स लगातार कह रहे हैं कि इससे संक्रमित होने का खतरा उन लोगों को है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है। इस टूल में आपको अपने हर सवाल का जवाब मिलेगा और इससे आपको यह जानने में भी मदद मिलेगी कि आप कहां हैं।

इस टूल में आपसे आपके वर्तमान स्वास्थ्य के अलावा ट्रेवल हिस्ट्री जैसे सवाल पूछे जाते हैं ताकि आपको संक्रमण के खतरे का अनुमान लग जाता है। Reliance Jio का टूल इसकी स्वच्छता और शक्ति पर उपलब्ध है और साथ ही इसकी वेबसाइट पर भी मिलता है। इस टूल में यूजर की उम्र के साथ ही यह भी पूछा जाता है कि क्या वो किसी ऐसे शख्स के संपर्क में आया है जिसे कोरोना वायरस से संक्रमित था। साथ ही इसमें आपसे आपकी हालिया यात्राओं के बारे में भी पूछा जाता है। यूजर द्वारा दी जाने वाली जानकारियों के आधार पर यह टूल उन्हें बताता है कि वो कोरोना वायरस से संक्रमित होने के किस स्तर पर हैं। मतलब यह रिस्क कम है, मध्यम है या फिर ज्यादा है।

Jio के टूल से आपको नेशनल और राज्य के हेलपलाइन नंबरस का एक्सेस भी मिल जाता है। साथ ही हर राज्य में टेस्ट सेंटर की जानकारी भी मिल जाती है। इसके अलावा कोरोना वायरस से जुड़े सवालों के जवाब भी मिल रहे हैं।

वहीं दूसरी तरफ Airtel Tool की बात करें तो इसे Apollo



Hospital की मदद से तैयार किया गया है और इसका नाम Apollo 247 रखा गया है। इस टूल को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलान के हिसाब से बनाया गया है। इस टूल में भी कुछ सवाल पूछे गए हैं जिनमें आपकी उम्र, लक्षणों और दूसरी जानकारी के बारे में पूछा जाता

है। यह टूल भी आपको कोरोना संक्रमण की आशंका के स्तर को बताता है। इसमें आपको यह मदद मिलती है कि आप खुद के स्तर को जांच कर उस तरह से सुरक्षित रह सकते हैं। यह टूल Airtel Thanks App के अलावा इसकी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

GOSSIP

महसूस कीजिए असली गांव का माहौल, खूब मजेदार है Jitendra Kumar की नई सीरीज

हमारी फिल्मों ने अलग ही तरह के गांव दिखाना शुरू कर दिए थे। ये या तो 'वासेपुर' जैसे थे या 'स्वदेस' जैसे। पूरी फिल्मी दुनिया ही उन गांवों का जिक्र करने में लगी थी जो एक तरह से अपवाद हैं। अब जाकर एक ऐसी कहानी देखने को मिली है जो किसी भी गांव पर आप आंख बंद कर

फिट कर सकते हैं। कहानी मिली भी तो एक वेब सीरीज 'पंचायत' में जो 'एमेजॉन प्राइम वीडियो' पर इसी महीने रिलीज हुई है। Jitendra Kumar की सीरीज ये इतनी मजेदार है कि इसे बार-बार देखने का मन करता है।

इसमें आप जितेंद्र कुमार को देखेंगे, ये वो ही हैं जो 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' में थे। वेब सीरीज देखने वाले तो इन्हें 'कोटा फैक्ट्री' जैसी कुछ जगहों पर देख चुके हैं। जितेंद्र कुमार के कंधों पर इस बार बड़ी जिम्मेदारी थी। नीना गुप्ता और रघुवीर यादव जैसे दिग्गज कलाकारों के बीच उन्हें टिके रहना था। वो कमाल कर जाते हैं और वाकई प्रभावित करते हैं।

जितेंद्र यहां पंचायत सचिव हैं और यूपी के एक गांव 'फुलेरा' में वो अपनी पहली नौकरी के लिए पहुंचे हैं। सपना तो लाख रुपए महीने की नौकरी का है लेकिन फिलहाल 20 हजार महीने की नौकरी से काम चला रहे हैं। साथ में एमबीए की तैयारी भी रहे हैं।

गांव की प्रधान हैं नीना गुप्ता लेकिन केवल नाम की, उनके पति रघुवीर यादव सारा काम देखते हैं। बिस्वपति सरकार ने जितेंद्र के जूनियर प्रतीक का रोल किया है। सभी बढ़िया



कलाकार हैं जो एक्टिंग के मामले में आपको पूरे वक्त चिंता मुक्त रखते हैं।

इस सीरीज में आठ एपिसोड हैं और आठों में अलग-अलग कहानियां हैं। ये सभी अपने आप में अलग हैं लेकिन फिर भी एक महीने धागा इन्हें जोड़े रखता है। कुछ एपिसोड्स तो अद्भुत हैं जैसे चौथा... इसमें जितेंद्र का पंगा गांव के दो छोटे गुंडों से हो जाता है। इनकी टसल देखने लायक है। इतनी ईमानदारी से इसे फिल्माया गया है कि आप निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा के फैन हो जाते हैं। इसमें दोनों गुंडों और जितेंद्र की बहादुरी और डरना लगभग बराबर है जो इस एपिसोड को बेस्ट साबित करता है।

गांव की शादी वाला तीसरा एपिसोड भी दिल को छू लेने वाला है। इसमें उस दूल्हे की व्यथा है जो बेचारा एक दिन के लिए खुद को राजा मान लेता है। हालांकि यहां उसे वो इज्जत नहीं मिलती है लेकिन गांव की शादी का माहौल यहां बेमिसाल रूप से जिंदा हुआ है। भारत का गांव के स्कूल में रुकना, घराती और बारतियों के लिए नाश्ते के अलग-अलग डिब्बे... हर बात बारिकी से पेश हुई।

BOLLYWOOD

HOLLYWOOD

सोशल मीडिया पर कमाती हैं टीवी और बॉलीवुड सेलेब्स से कई गुना ज्यादा रकम लेती हैं

Shehnaaz Gill के बारे में शर्तिया यह कहा जा सकता है कि उन्हें Bigg Boss का जबरदस्त फायदा हुआ। सलमान खान के शो के सीजन 13 में वो आखिर तक डटी रहीं और जमकर लोकप्रियता हासिल की। उनकी यहीं लोकप्रियता अब उन्हें अमीर बना रही है। जानकर हैरानी होगी कि शहनाज गिल अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट से ही लाखों रुपए कमा लेती हैं। जी हां, यह रकम इतनी ज्यादा है कि कई नामी और टीवी सेलेब्रिटीज भी इस मामले में उनसे पीछे रह जाते हैं।

जबरदस्त फैन फॉलोइंग के कारण शहनाज नए जमाने की सोशल मीडिया स्टार हैं। पंजाब इंडस्ट्री पर राज करने के बाद गिल ने बिग बॉस के 13वें सीजन में एंट्री ली थी। इस सीजन में उन्होंने लोगों का खूब मनोरंजन किया। इससे उन्हें ना सिर्फ भारत बल्कि कनाडा, यूएसए और यूके में भी खूब पसंद किया जाने लगा। 'स्पोर्ट बॉय' ने अपनी खबर में ताजा ऑनलाइन रिपोर्ट्स के हवाले से लिखा है कि पहले यह एक्ट्रेस अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए पांच लाख रुपए लिया करती थीं, अब उन्हें आठ लाख रुपए एक पोस्ट के लिए दिए जा रहे हैं। बड़े ब्रांड से तो उन्हें दस लाख रुपए भी एक

पोस्ट से मिल जाते हैं। उनकी यह कमाई बिग बॉस के रनरअप असीम रियाज से भी ज्यादा है।

यह मुकाम उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में आने के कुछ महीनों में ही हासिल कर लिया है। वो कई सेलेब्स से सोशल मीडिया से होने वाली कमाई के मामले में आगे हैं। उनकी मौजूदगी इंस्टाग्राम के अलावा टिक टॉक और स्नैपचैट पर भी प्रभावी है।

जाहिर तौर पर शहनाज की इस कमाई का काफी हद तक श्रेय उनके फैन्स को भी जाता



है। जैसे ही शहनाज अपनी कोई फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं वो बेहद कम वक्त में वायरल हो जाती है। वैसे खबर है कि म्यूजिक वीडियो में साथ दिखने के बाद अब शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला एक एड में भी साथ आ रहे हैं।

कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करते हुए लाइफलाइन उड़ान की उड़ानों ने 2,87,061 किलोमीटर की दूरी तय की

पवन हंस सहित अन्य हेलीकॉप्टर सेवाओं ने पूर्वोत्तर, जेएंडके, लद्दाख और द्वीपों में महत्वपूर्ण चिकित्सा कार्गो और रोगियों का परिवहन किया

एयर इंडिया, एलायंस एयर, आईएएफ और निजी वाहकों द्वारा लाइफलाइन उड़ान के तहत 288 उड़ानें संचालित की गई हैं। इनमें से 180 उड़ानें एयर इंडिया और एलायंस एयर द्वारा संचालित की गई हैं। अब तक ले जाया गया कार्गो लगभग 479.55 टन का है। लाइफलाइन उड़ान की उड़ानों द्वारा अब तक 2,87,061 किमी से अधिक की हवाई दूरी तय की जा चुकी है। कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन करने के लिए देश के दूरदराज के हिस्सों में आवश्यक चिकित्सा कार्गो के परिवहन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 'लाइफलाइन उड़ान' के तहत उड़ानें संचालित की जा रही हैं।

पवन हंस हेलीकॉप्टरों ने 18 अप्रैल 2020 तक 6265 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 1.86 टन कार्गो का परिवहन किया है। पवन हंस लिमिटेड सहित अन्य हेलीकॉप्टर सेवाएं जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख,

द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र में महत्वपूर्ण चिकित्सा कार्गो और रोगियों को परिवहन कर रही हैं। घरेलू लाइफलाइन उड़ान द्वारा दोए गए कार्गो में कोविड-19 संबंधित अभिकर्मक, एंजाइम, चिकित्सा उपकरण, परीक्षण किट, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), मास्क, दस्ताने, एचएलएल एवं आईएमसीआर की अन्य सामग्री और राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश सरकारों का जरूरी कार्गो व डाक पैकेट आदि शामिल हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र, द्वीप क्षेत्रों और पहाड़ी राज्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। एयर इंडिया और आईएएफ ने मुख्य रूप से जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर और अन्य द्वीप क्षेत्रों के लिए ये सहयोग किया है। घरेलू कार्गो ऑपरेटर स्पाइसजेट, ब्लू डार्ट और इंडिगो वाणिज्यिक आधार पर कार्गो उड़ानें संचालित कर रहे हैं। स्पाइसजेट ने 24 मार्च से 18 अप्रैल 2020 के दौरान 410 कार्गो उड़ानों का संचालन

किया, जिसमें 6,00,261 किमी की दूरी तय की गई और 3270 टन कार्गो को ले जाया गया। इनमें से 128 अंतर्राष्ट्रीय कार्गो उड़ानें थीं। ब्लू डार्ट ने 25 मार्च से 18 अप्रैल 2020 के दौरान 1,39,179 किमी की दूरी को कवर करते हुए 141 घरेलू कार्गो उड़ानों का संचालन किया और 2241 टन कार्गो का परिवहन किया। इंडिगो ने 3-18 अप्रैल 2020 के दौरान 31 कार्गो उड़ानों का संचालन किया है, जिन्होंने 32,290 किमी की दूरी तय की और 48 टन माल बोया। इसमें सरकार के लिए मुफ्त में दी जाने वाली चिकित्सा आपूर्ति भी शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र:- दवा, चिकित्सा उपकरण और कोविड-19 राहत सामग्री के परिवहन के लिए पूर्वी एशिया के साथ कार्गो एयर-ब्रिज स्थापित किए जाने के बाद मेडिकल कार्गो की तारीख-वार मात्रा निम्नानुसार है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श किया

प्रधानमंत्री ने मंत्रियों के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि उनके द्वारा निरंतर दिए गए सुझाव कोविड-19 से निपटने की रणनीति बनाने में काफी प्रभावकारी साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि नेतागण राज्य एवं विशेषकर उन जिलों के जिला प्रशासन के साथ विस्तारपूर्वक संवाद करें, जो महामारी के हॉटस्पॉट हैं और इसके साथ ही वे जमीनी स्थिति से अवगत हों और आकस्मिक समस्याओं का समाधान भी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है कि पीडीएस केंद्रों पर भीड़ न हो, प्रभावकारी निगरानी बनी रहे, शिकायतों पर ठोस कार्रवाई हो और आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी एवं उनकी कीमतों में वृद्धि को रोका जा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों का कल्याण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार किसानों को फसल कटाई के सीजन में हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। इस संबंध में उन्होंने प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और मंडियों से किसानों को जोड़ने के लिए एप आधारित कैब सेवाओं की तर्ज पर 'ट्रक एग्रीगेटर्स' जैसे अभिनव समाधानों का उपयोग करने की संभावनाएं तलाशने का सुझाव दिया। उन्होंने आदिवासी उत्पादों की खरीद सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीति तैयार करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया, ताकि स्वदेशी आदिवासी आबादी की आय का स्रोत बरकरार रह सके।

प्रधानमंत्री ने निरंतर निगरानी करने के महत्व और यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया कि 'पीएम गरीब कल्याण योजना' के लाभ निर्बाध रूप से निर्दिष्ट लाभार्थियों तक पहुंचते रहें। उन्होंने कहा कि वायरस के फिर से फैलने की संभावना को नियोजन में शामिल किया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं और सुरक्षा उपकरणों के उत्पादन की समयसीमा बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी होनी चाहिए। आपूर्ति स्तर और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बनाए रखने के लिए सूक्ष्म स्तर पर योजना बनाना आवश्यक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन उपायों और सामाजिक दूरी बनाए रखने के मानदंडों पर एक साथ अमल करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि लॉकडाउन समाप्त होने पर उभर कर सामने आने वाली परिस्थितियों के लिए रणनीति बनाना आवश्यक है। उन्होंने मंत्रियों से लॉकडाउन समाप्त होने पर दस प्रमुख निर्णयों और फोकस वाले दस प्राथमिकता क्षेत्रों की पहचान करने को कहा।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने उनसे अपने-अपने मंत्रालयों में लंबित सुधारों की पहचान करने और फिर उन्हें लागू करने को कहा। प्रधानमंत्री ने यह उल्लेख किया कि उभरती चुनौतियों के कारण भारत को अन्य देशों पर अपनी निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी विभागों से इस आशय के एक उद्देश्य सूचकांक को बनाए रखने को कहा और इसके साथ ही इस बात पर गौर करने को कहा कि उनका काम 'मेक इन इंडिया' को कैसे बढ़ावा देगा।



अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार को इस प्रभाव को कम करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालयों को एक 'कारोबार निरंतरता योजना' तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन स्थानों पर विभागों को धीरे-धीरे खोलने के लिए एक श्रेणीबद्ध योजना बनाई जानी चाहिए जहां हॉटस्पॉट मौजूद नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संकट चिकित्सा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का एक अवसर प्रदान करता है। भारत के निर्यात पर पड़ रहे प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने मंत्रियों से कहा

कि वे विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उचित सुझाव पेश करें और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करें कि नए क्षेत्र तथा देश भारत के निर्यात दायरे में अवश्य शामिल हों। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से ग्रामीण क्षेत्रों एवं जमीनी संस्थानों में आरोग्य सेतु एप को लोकप्रिय बनाने को कहा, ताकि महामारी के बारे में जानकारी एवं जागरूकता बढ़ाई जा सके।

मंत्रियों ने pmminute की पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश के सभी कोनों में रहने वाले लोगों ने इसमें भाग लिया और इस तरह से महामारी के खिलाफ लड़ाई में पूरी आबादी को एकजुट किया। मंत्रियों ने प्रधानमंत्री को प्रवासी श्रमिकों को होने वाली कठिनाइयों से निपटने, घबराहट का माहौल बनाने के लिए सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों पर अंकुश लगाने, आवश्यक आपूर्ति स्तर को बनाए रखने एवं इस लड़ाई में सबसे आगे रहने वाले कर्मियों द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों को सुलझाने के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया।

भारत सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रियों, प्रधान सचिव, कैबिनेट सचिव और भारत सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस विचार-विमर्श में भाग लिया।

उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालयों से पूर्ण बंदी के दौरान शिक्षा सत्र को सुचारू रूप से जारी रखने को कहा

उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने आज विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थाओं का आह्वान किया कि वे बंदी के दौरान शिक्षा सत्र को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए तकनीक का भरपूर उपयोग करें, विद्यार्थियों से संवाद करने के लिए, साझे अध्ययन अध्यापन तथा स्वाध्याय को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन शिक्षण टेक्नोलॉजी की क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएं।

उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के निदेशक तथा माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय सहित दिल्ली, पॉन्डिचेरी, हैदराबाद व पंजाब विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए, बंदी के दौरान शिक्षा सत्र तथा ऑनलाइन अध्यापन के विषय पर चर्चा की। उपराष्ट्रपति भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के अध्यक्ष हैं तथा तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सामान्य स्थिति बहाल होने में समय लग सकता है। वे ऐसी स्थिति में शिक्षा सत्र को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी ले रहे थे। उन्होंने अपेक्षा की कि बदलती हुई स्थिति के अनुसार, टेक्नोलॉजी के सम्यक प्रयोग से अध्ययन और अध्यापन कार्य को सुचारू रूप से निर्बाध रखा जाये और सभी विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया जाय।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वस्तुतः इस चुनौती ने भी भविष्य के लिए नए अवसर प्रदान किए हैं जब ऑनलाइन शिक्षा, पारंपरिक शिक्षा पद्धति की संपूरक बन जाएगी। ये चुनौती हमें नए समाधान खोजने के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि इस आपदा के बाद भी शिक्षण में टेक्नोलॉजी आधारित प्रणाली को सामान्य रूप से भी प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा अध्ययन और अध्यापन को निर्बाध रखने के लिए किए गए प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों से कहा कि से छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करें। वे सरकार एवम् स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सोशल डिस्टेंसिंग जैसे निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। श्री नायडू ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि बंदी के दौरान वे प्रकृति के साथ कुछ समय बिताएं, कुछ व्यायाम करते रहें, आरामतलब जीवन शैली को त्याग करें और स्वस्थ भोजन शैली अपनाएं।

श्री नायडू ने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने और विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही ई-पाठ्यक्रम सामग्री का अध्ययन करने की सलाह दें। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे मोबाइल फोन जैसे उपकरणों पर अधिक समय व्यर्थ न कर, बंदी की इस अवधि में कोई नई भाषा सीखने का प्रयास करें।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपने क्षेत्र के किसी समाजसेवी संगठन से जुड़ कर समाज सेवा के कार्य भी कर सकते हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि विद्यार्थी और सभी नागरिक सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए जा रहे निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने सचिव डॉ आई वी सुब्बाराव भी उपस्थित रहे।